राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

प्रेस–विज्ञप्ति

संख्या–37/2024

कृषि हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ है–राज्यपाल

पटना, 21 फरवरी, 2024 :– माननीय राज्यपाल श्री राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना के 24वें स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय कृषि मेला–सह–जनजातीय कृषक सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि कृषि हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए किसानों का समृद्ध होना आवश्यक है। प्राकृतिक खेती को अपनाने से उनकी आय दुगुनी हो सकती है।

उन्होंने कहा कि किसानों के परिश्रम से ही हमें खाने को अन्न मिलता है। वे प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित कर खेती करना जानते हैं और खेत ही उनका प्रयोगशाला होता है। हमारे पूर्वजों द्वारा खेतों में रासायनिक खादों का प्रयोग नहीं करने के बावजूद अच्छी उपज होती थी, परन्तु बाद में इनके प्रयोग से जमीन की उर्वरा शक्ति का ह्रास होने लगा। रासायनिक खाद खरीदने के लिए किसान कर्ज के जाल में फँसते चले गए। हमें इस दुष्चक्र से बाहर निकलने की जरूरत है।

राज्यपाल ने कहा कि प्राकृतिक खेती से जमीन की उर्वरा शक्ति एवं कृषि उत्पादकता दोनों में वृद्धि होती है। इस खेती के लिए देशी गाय का गोबर, गोमूत्र एवं स्थानीय रूप से उपलब्ध अन्य चीजों से निर्मित खाद का उपयोग किया जाता है। इस खेती में लगभग 27 प्रतिशत कम लागत आता है जबकि उत्पादकता में 52 प्रतिशत की वृद्धि होती है। उन्होंने कहा कि आई०सी०ए०आर०, कृषि विश्वविद्यालयों एवं अन्य संबंधित संस्थानों द्वारा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया जाना चाहिए तथा इसके लिए किसानों को आवश्यक सहयोग एवं मार्गदर्शन किया जाना चाहिए।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कृषि पुस्तिका का विमोचन किया। उन्होंने स्थापना दिवस व्याख्यान के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के उप महानिदेशक डॉ० सुरेश कुमार चौधरी एवं बेहतर कृषि कार्य के लिए किसानों को भी सम्मानित किया। उन्होंने पौधारोपण भी किया।

कार्यक्रम को डॉ० चौधरी के अतिरिक्त बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पटना के कुलपति डॉ० रामेश्वर सिंह ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना के निदेशक डॉ० अनुप दास, प्रभागाध्यक्ष, डी०एस०ई०ई० व आयोजन सचिव डॉ० उज्जवल कुमार एवं अन्य पदाधिकारीगण, अटारी, जोन–IV, पटना के निदेशक डॉ० अंजनी कुमार, विभिन्न संस्थानों के पदाधिकारीगण, कृषि वैज्ञानिकगण एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

.....